टाटा टेक्नोलॉजीस और तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के बीच एमओयू

चर्चा में क्यों?

1 अगस्त, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में राज्य के 36 शासकीय आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिये तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग और टाटा टेक्नोलॉजीस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए।

प्रमुख बिंदु

- लगभग 1188.36 करोड़ रुपए की परियोजना के तहत राज्य के 36 आईटीआई में युवाओं को 6 नई ट्रेडों में तथा 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के चयनित आईटीआई में अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना, प्रशिक्षकों की व्यवस्था आदि की जाएगी। इसके अलावा राज्य के युवाओं को प्लेसमेंट देने में टाटा और उनकी सहयोगी कंपनी सहयोग करेगी।
- इस परियोजना से प्रतिवर्ष 10 हज़ार से अधिक युवाओं को नये ज़माने के अनुरूप तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा।
- चयनित आई.टी.आई. में युवाओं को आर्टीजन यूजिंग एडवांस टूल, इंडस्ट्री रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्यूफैक्चरिंग टेक्नियशियन, मैन्यूफैक्चरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड ऑटोमेशन ट्रेड में एक वर्षीय प्रशिक्षण तथा एडवांस सी.एन.सी. मशीनिंग, बेसिक डिज़ायनर एंड वर्चुअल वेरफियर (मेकेनिकल) मैकेनिकल, इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेड में दो वर्षीय प्रशिक्षण मिलेगा।
- इसके अलावा उद्योगों की जरूरत के अनुसार 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में भी प्रशिक्षण की सुविधा होगी।
- चयनित आईटीआई में टाटा टेक्नालॉजीस अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना करेगी और प्रशिक्षण कार्य के लिये प्रत्येक आई.टी.आई. में शुरुआत में दो प्रशिक्षकों की नियुक्ति करेगी। प्रशिक्षित युवाओं को प्लेसमेंट देने टाटा और उनकी सहयोगी कंपनियाँ अपना सहयोग देंगी।
- टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के सहयोग से जिन आईटीआई का उन्नयन किया जाएगा, उनमें शासकीय आई.टी.आई.-बैकुंठपुर, ओड़गी वाड्रफनगर, मैनपाट, बगीचा, लोरमी, कोनी-बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, अकलतरा, हसौद, रायगढ़, खरसिया, राजनांदगांव, डोंगरगांव, मानपुर, छुईखदान, पण्डरिया, गुंडरदेही, दल्लीराजहरा, गुरूर, दुर्ग, पाटन, धरसींवा, हीरापुर, आरंग, अभनपुर, भाटापारा, सिमगा, बागबाहरा, पिथौरा, कांकेर, अंतागढ़, चारामा, नगरनार एवं दंतेवाड़ा शामिल हैं।
- विदित है कि युवाओं को सही मार्गदर्शन के साथ आधुनिक ट्रेडों में प्रशिक्षण मिल सके, इसके लिये छत्तीसगढ़ सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक स्वरूप में ढालना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार बड़े औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू कर रही है, ताकि छात्रों को अच्छी ट्रेनिंग मिल सके।
- इसके साथ ही हायर सेकेंडरी स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएँ, जो व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं, उन छात्रों को 12वीं बोर्ड के प्रमाण-पत्र के साथ-साथ आईटीआई का प्रमाण-पत्र भी दिया जा रहा है।
- राज्य में पहली बार स्कूलों में अधबयनरत छात्रों को स्कूली स्तर पर उनके तकनीकी रुझान के अनुरूप स्कूली शिक्षा के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्कूलों एवं आईटीआई के मध्य समन्वय स्थापित कर एकीकृत प्रणाली विकसित की गई है।
- इस प्रणाली के तहत प्रदेश के अधिकांश आईटीआई में स्कूली छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रणाली के अंतर्गत जहाँ स्कूली छात्र अपनी पढ़ाई पूरी कर उसका प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगे, वहीं इसके साथ साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण पूर्ण कर आईटीआई का प्रमाण-पत्र भी प्राप्त करेंगे और रोज़गार प्राप्त करने के लिये तैयार हो सकेंगे।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mou-between-tata-technologies-and-department-of-technical-education-skill-development